ओम शान्ति रिट्रीट सेन्टर, गुड़गाँव में मीडिया ट्रेनिंग का समाचार सार

बाबा की सेवाओं में तीव्रता लाने तथा स्वस्थिति से बाबा को प्रत्यक्ष करने के उद्देश्य से मीडिया प्रभाग द्वारा ओम शान्ति रिट्रीट सेन्टर, भोराकलाँ में 18 से 25 जुलाई, 2008 तक सात दिवसीय 'मीडिया राईटिंग' ट्रेनिंग का आयोजन किया गया। इसमें पूरे भारत से सेवाकेन्द्रों की निमित्त टीचर्स बहनें, मीडिया प्रभाग के सदस्य तथा मीडिया सेवा में रूचि रखने वाले कुल 205 भाई-बहनों ने भाग लिया।

इस ट्रेनिंग का उद्घाटन 19 जुलाई, 2008 को प्रात: 9.00 बजे हुआ। इस उद्घाटन सत्र में मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष **ब्र. कु. ओम प्रकाश,** ओम शान्ति रिट्रीट सेन्टर की निदेशिका **ब्र. कु. आशा,** प्यूरिटी मैगेजिन के प्रधान सम्पादक, **ब्र. कु. बृजमोहन,** मीडिया प्रभाग के उपाध्यक्ष, **ब्र. कु. करूणा,** मीडिया प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक **ब्र. कु. सुशान्त,** मीडिया प्रभाग के मुख्यालय संयोजक **ब्र. कु. शान्तनु** तथा मीडिया ट्रेनर के रूप में ओम शान्ति मीडिया के सम्पादक तथा वरिष्ठ पत्रकार, भोपाल के **प्रो. कमल दीक्षित,** माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय भोपाल के पत्रकारिता विभाग के प्रोफेसर **कृष्ण चन्द्र मौलि,** भारत सरकार के इंडियन इन्स्टीटयूट ऑफ मासकम्यूनिकेशन, दिल्ली के पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष, **प्रो. प्रदीप माथुर** आदि मौजूद थे।

ट्रेनिंग के दौरान ब्रह्माकुमारीज संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी **ब्र. कु. दादी जानकी** जी मीडिया प्रशिक्षण के पांचवें दिन माउण्ट आबू से टेलिफोन द्वारा सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारी चाल-चलन ऐसी होनी चाहिए जिससे बाप का संदेश लोगों को स्वत: ही मिले। आप सभी भाई-बहनों पर बाबा ने बहुत आश रखी है उसे हमें मन-वचन-संकल्प से पूरा करना होगा।

माउण्ट आबू से ही संस्था की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका दादी **ब्र. कु. ह्दयमोहिनी जी** टेलिफोन से सम्बोधित करते हुए कहा कि मीडिया बाबा को प्रत्यक्ष करने का सहज और विहंग मार्ग की सेवा है। बापदादा ने कई बार कहा है कि जब भी हम रेडियो, टी. वी. और अखबार खोले तो यही दिखे कि मेरा बाबा आ गया। यही संदेश लोगों तक पहुंचाने की सेवा करनी है।

ट्रेनिंग को सम्बोधित करते हुए मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष **ब्र. कु. ओम प्रकाश** ने कहा कि आज सूचना प्रौद्योगिकी ने मीडिया में बहुत शक्ति भर दी है। पहले की अपेक्षा बहुत शक्तिशाली होकर उभरा है। हमें वर्तमान समय में मीडिया का सहयोग लेने के लिए मीडिया की गतिविधियों को जानकर उसे बाबा की सेवा में लगाने का प्रयास करना होगा तभी हम बाबा के संदेश को जन-जन तक पहुंचा सकेंगे।

ओम शान्ति सेन्टर, भोराकलाँ की निदेशिका **ब्र. कु. आशा** ने कहा कि हमारी स्थिति ही बाबा को प्रत्यक्ष करने में मददगार साबित होगी। मीडिया तो सिर्फ एक माध्यम है जिससे हम बाबा के संदेश को लोगों तक पहुचा सकते हैं परन्तु अनुभूति के लिए अपनी स्थिति को शक्तिशाली बनाना होगा। मुझे खुशी है कि इस ट्रेनिंग में पूरे भारत से इतने सभी भाई-बहनें आये है जो जाकर अपने-अपने स्थानों पर बाबा की सेवा करने में मददगार बनेंगे।

ओमशान्ति मीडिया के सम्पादक तथा वरिष्ठ पत्रकार, भोपाल के **प्रो. कमल दीक्षित** ने कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस ट्रेनिंग में भाई-बहनों ने जिस तन्मयता से ट्रेनिंग की है वे बाबा की सेवाओं में

मददगार साबित होगें।

इंडियन इन्स्टीटयूट ऑफ मास कम्यूनिकेशन के पत्रकारिता विभाग के अध्यक्ष **प्रो. प्रदीप माथुर** ने कहा कि हमें प्रसन्नता है कि इतनी संख्या में भाई-बहनों की जिज्ञासा पत्रकारिता सीखने और बाबा के संदेश को प्रचारित करने की है। निश्चित तौर पर सभी इसमें सफल होगें।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय भोपाल के पत्रकारिता विभाग के प्रोफेसर **कृष्ण चन्द्र मौलि** ने कहा कि हम कोई प्रोफेसनल पत्रकार नहीं बनने आये है बल्कि हमें बाबा के संदेश को मीडिया के द्वारा कैसे लोगों तक पहुंचाना हैं। उसके बारे में सीखना और अभ्यास करना है।

मीडिया ट्रेनिंग में आये हुए भाई-बहनों को पब्लिक रिलेशन सम्बन्धित ट्रेनिंग के लिए मेट्रो रेल दिल्ली के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी **अनुज दयाल** तथा जामिया इस्लामियां विश्वविद्यालय दिल्ली के इलेक्ट्रानिक मीडिया के **प्रोफेसर सुरेश वर्मा** ने भाषा दक्षता, समाचार वाचन, साक्षात्कार तथा इलेक्ट्रानिक मीडिया के अन्य पहलुओं पर ट्रेनिंग करायी।

मीडिया प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक **ब्र. कु. सुशान्त** ने ट्रेनिंग के सफल आयोजन पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि इस तरह की पहली ट्रेनिंग है जो लगातार 70 घंटे तक चली और सभी भाई-बहनों ने तन्मयता से सुना व सीखा। उन्होंने भविष्य में मास्टर ट्रेनर के लिए कुछ भाई-बहनों की ट्रेनिंग रखने का भी सुझाव दिया। मीडिया प्रभाग के मुख्यालय संयोजक **ब्र. कु. शान्तनु** ने सफलतापूर्ण सम्पन्न हुई ट्रेनिंग के लिए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

<u>ट्रेनिंग के मुख्य विषयः</u>

1. समाचार लेखन (News Writing) 2.आलेख लेखन (Article Writing) 3. फीचर लेखन (Feature Writing) 4. सम्पादन एवं प्रुफ पठन (Editing & Proof Reading) 5.इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए लेखन- रेडियो तथा टीवी (Writing for Electronic Media - Radio & TV) 6. जन सम्पर्क (Public Relations) 7. फोटो पत्रकारिता (Photo Journalism) 8. प्रेस कान्फरेन्स (Press Conference) 9. प्रेस साक्षात्कार (Press Interview) 10. मीडिया कर्म में सूचना प्रौद्योगिकी का महत्व (Importance of Information Technology (IT) in Media Practices) 11. इन्टरनेट और ई-मेल का बुनियादी ज्ञान (Basics of Internet and Email) 121. मीडिया सेवा कैसे करें (How to do Media Service)

70 घंटे तक चली मीडिया प्रशिक्षण में सभी भाई-बहनों ने बहुत जागरुकता के साथ प्रशिक्षण लिया तथा कार्यशालाओं में अपने-अपने अनुभव व्यक्त किये। 26 तथा 27 जुलाई, 2008 को दिल्ली दर्शन के पश्चात सभी भाई-बहनें अपने-अपने सेवा स्थानों के लिए रवाना हो गये।